भरण-पोषण अच्छा तरीका

इन्द्रजीत किस्कु पिता सिमल किस्कु ग्राम ईटामारा पंचायत दलदली के प्रगतिशील किसान है। पढ़ाई लिखाई करने के बाद इन्होंने खेती को ही अपना जीवीकापार्जन बनाया। इनके परिवार में कुल 8 सदस्य है जिनका भरण-पोषण इन्द्रजीत किस्कु के कंधो में ही है।

इन्द्रजीत 03 एकड़ जमीन पर खीरा, टमाटर, नेनुवा, मिर्चा, फ्रेंचबीन, आदि की उन्नत तकनीक से खेती कर रहे है। अपने खेतों में 3-4 मजदूरों को रोजगार भी दियें है। अपना उत्पाद इन्होंने गालुडीह, घाटशिला तथा जमशदेपुर के साकची, बारीडीह में लगने वाले बाजार में बेचकर मुनाफा प्राप्त करते है। इसके साथ ही 2 एकड़ जमीन पर धान एवं 1 एकड़ जमीन पर सरसों की खेती कर अच्छा मुनाफा कमायें हैं। सरसों का बीज इन्द्रजीत किस्कु को आत्मा द्व ारा संचालित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के तहत निःशुल्क उपलब्ध कराया गया था।

इन्द्रजीत किस्कु कृषि विभाग से विगत 5 सालों से जुड़े है। इन्द्रजीत किस्कु अपने गाँवों के अन्य किसानों को कृषि विभाग द्वारा चलाए जाने वाले प्रशिक्षण, परिभ्रमण, किसान गोष्ठी, फसल प्रत्यक्षण एवं किसान मेला आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते रहे है।

इनका सब्जी उत्पादन से लगभग सालाना 1.50 लाख से अधिक रूपये की आमदनी हो जाता है जिससे इनका परिवार का भरण-पोषण अच्छा तरीका से हो रहा है एवं पारिवारिक स्थिति पहले की अपेक्षा काफी बेहतर है।